

भारत का राजपत्र

The Gazette of India



असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)प्रधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITYसं. 86।
No. 86।गई दिल्ली, चूहस्पतिवार, मार्च 1, 2007/फाल्गुन 10, 1928
NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 1, 2007/PHALGUNA 10, 1928पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
(पोत परिवहन विभाग)

(पत्र संख्या)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 मार्च, 2007

सांकेति. 116(अ).—महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 के अधिनियम सं. 38) की धारा 124 द्वारा प्रदत्त अधिकार प्रयुक्त करके, केन्द्रीय सरकार, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 28 द्वारा प्रदत्त अधिकार प्रयुक्त करके और मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (पायलटों की लाइसेंसिंग एवं नियंत्रण) विनियम, 1975 में निहित विनियमों को अधिकांत करके, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के न्यासी-बोर्ड द्वारा बनाए गए एवं इस अधिसूचना से उपायद्वारा अनुसूची में वर्णित, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (पायलटों की लाइसेंसिंग एवं नियंत्रण) विनियम, 2007 को एतद्वारा अनुमोदित करती है।

अनुसूची

मुंबई बंदरगाह (पायलटों की लाइसेंसिंग एवं नियंत्रण)
विनियम, 2007

मेजर पोर्ट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 124 की उप-धारा (1) के परंतुक (प्रोविसो) द्वारा दिये गये अधिकारों का उपयोग करते हुए तथा मुंबई पोर्ट (पायलटों की लाइसेंसिंग एवं नियंत्रण) विनियम, 1975 में निहित प्रचलित विनियमों के अधिकारमय में, मुंबई बंदरगाह का विश्वस्त मंडल कथित अधिनियम की धारा 124 की उप-धारा (1) के अंतर्गत कोई सरकार के अनुबोधन से निम्न विनियम बनाता है।

भाग—I

1. संस्कृत शीर्षक और प्रारंभ—(1) ये विनियम मुंबई बंदरगाह (पायलटों की लाइसेंसिंग एवं नियंत्रण) विनियम, 2007 कहलाये जायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में उन्हें प्रकाशित करने की तिथि से लागू होंगी।

2. परिभाषाएं—जब तक कि अन्यथा आवश्यक नहीं होगा, तब तक इन विविधमों में—

- (1) "मंडल", "अध्यक्ष" और "उपाध्यक्ष" शब्दों का अर्थ वही होगा, जो मेजर पोर्ट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 38) में है।
- (2) "नियंत्रण स्थानक" से तात्पर्य है, वह स्थानक, जहाँ से पायलटों का जहाज पर चढ़ना/से उत्तरा और अन्य गतिविधियों का नियंत्रण और नोनिटरिंग किया जाता है।
- (3) "उप संरक्षक"—अर्थात् वह अधिकारी जिसे पायलटों का निदेशन और उच्चव्यवस्थाएं दीया गया है।
- (4) "हार्बर मास्टर"—अर्थात् वह अधिकारी जिसे उप संरक्षक द्वारा सम्बन्ध-सम्बन्ध पर सौंपे जानेवाले कार्य संपन्न करने के लिए नियुक्त किया गया हो।
- (5) "डॉक मास्टर"—अर्थात् वह अधिकारी जिसे उप संरक्षक द्वारा पत्रन में, जहाँवों के बहन के संबंध में सौंपे गये कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है; इसमें बरिष्ठ डॉक मास्टर का भी समावेश है।
- (6) "अनिवार्य पायलटेज जल की सीमाएं" से तात्पर्य है कि वे सीमाएं जो भारतीय बंदरगाह अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 4 की उप-धारा (2) के अंतर्गत निर्धारित हैं।
- (7) "पायलट" से तात्पर्य है; इन विविधमों के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त ऐसा अधिकारी; जो, उप संरक्षक द्वारा उसे सौंपे गए पायलटेज और अन्य कार्य करता है और इनमें "मास्टर पायलटों" का भी समावेश है।

(8) "पायलट लाइसेंस" से तात्पर्य है, किसी व्यक्ति को, जहाजों का, पत्तन की पत्तन सीमा के भीतर पायलटेज करने हेतु दिया गया लाइसेंस।

(9) "बंदरगाह"—अर्थात् मुंबई बंदरगाह।

भाग - II

लाइसेंसिंग : अहंता और शर्तें

3. उम्मीदवार की योग्यताएँ.—(1) पायलट लाइसेंस का उम्मीदवार :

(क) भारतीय राष्ट्रीयत्व का हो

(ख) अच्छे चरित्र एवं संयम का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें

(ग) उसके पास :

(i) भारत सरकार या उसके समकक्ष (प्राधिकार) द्वारा दिया जाने वाला "सर्टिफिकेट ऑफ कॉम्प्लिटन्सी ऑफ मास्टर फॉरेन गोइंग (विदेश जानेवाले)" के नाते सक्षम होने का प्रमाण-पत्र होगा, और यदि उसके पास विदेश जानेवाले जहाज पर 'फर्स्ट मेट' के रूप में काम का छः महीनों का अनुभव हो, तो उसे वरियता दी जाएगी;" या

(ii) नौवहन महानिदेशालय द्वारा जारी किया गया निकर्षण मास्टर का प्रमाण-पत्र धारण किया हुआ हो तथा निकर्षण मास्टर के रूप में अधिमानतः कम से कम दो वर्षों का अनुभव हो; या

(iii) नौवहन महानिदेशालय के साथ समय-समय पर परामर्श करके मंडल द्वारा जो भी निर्णय लिया गया हो उसके अनुसार पायलटों के आंतरिक प्रशिक्षण में पोर्ट में पायलट के रूप में सफलता- पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया हुआ हो।

(घ) ऐसे काम के लिए अध्यक्ष द्वारा नियुक्त किसी चिकित्सा प्राधिकारी से वह शारीरिक स्वस्थता का प्रमाण-पत्र प्राप्त करेगा; और

(च) जब तक अध्यक्ष द्वारा अन्यथा तथ्य नहीं होता तब तक वह परिवीक्षा प्रशिक्षण के लिए कम से कम छः महीनों की अवधि व्यतीत करेगा, और निर्धारित परीक्षा में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होगा;

बशर्ते कि निम्नलिखित पर्याप्त तथा वैध कारणों के लिए परिवीक्षा प्रशिक्षण की अवधि छः माह से अधिक बढ़ायी जाए। जैसे कि,—

(i) उम्मीदवार उसकी अपनी बीमारी के कारण प्रशिक्षण के पक्ष पूर्ण करने में असमर्थ रहा हो या उसे पर्याप्त तथा वैध कारणों के लिए अवकाश लेना पड़ा हो या किसी भी प्रकार की राष्ट्रीय आपत्तिक स्थिति हो;

(ii) पोर्ट या भारत सरकार के हित में परिवीक्षाधीन पायलट को कुछ अन्य कार्य भी सौंपना आवश्यक होता है (पूर्व

करार के साथ) जैसे कि निकर्षण मास्टर, बर्थिंग मास्टर, आदि तथा इस कारण वह अपनी प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूर्ण नहीं कर पाया हो;

(iii) किसी वैध कारणों के लिए उम्मीदवार बारह महीनों की निर्धारित अवधि में अपनी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाता हो तथा अध्यक्ष के विचारों से उसे परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए समुचित अवसर दिया जाना जरूरी हो;

(iv) अजा/अज के उम्मीदवारों के बारे में, विशेष अंतिरिक्त प्रशिक्षण/मार्गदर्शन आवश्यक प्रतीत होता हो:

बशर्ते आगे की निम्न परिस्थितियों में परिवीक्षा प्रशिक्षण अवधि कम की जा सकती है।

(i) यदि परिवीक्षाधीन पायलट मुंपोट्र में पायलट रहा हो तथा बाद में मुंपोट्र में फिर से शामिल हुआ हो।

(ii) यदि भविष्य में प्रशिक्षण के लिए अनुरूपक (simulator) जैसी आधुनिक तकनीकी का प्रयोग किया गया हो।

4. पायलट लाइसेंस.—(1) किसी विशिष्ट पत्तन में पायलट का कार्य करने के लिए हर एक पायलट (और मास्टर पायलट) पायलट लाइसेंस प्राप्त करेगा, यह लाइसेंस केंद्र सरकार की मंजूरी प्राप्त होने पर और उप संरक्षक के हस्ताक्षर से जारी किया जाएगा।

(2) पोर्ट से अपना संबंध समाप्त करने वाला पायलट अपना लाइसेंस तुरंत उप संरक्षक के सुपुर्द करेगा।

(3) निम्न परिस्थितियों में अध्यक्ष द्वारा लाइसेंस रद्द किया जा सकता है :—

(क) आचरण तथा अनुशासन नियमों के अधीन दुराचरण तथा/या दुराचरण जो साक्षित हुआ हो;

(ख) व्यावसायिक दुराचरण;

(ग) नौवहन हत्ताहत (दुर्घटनाएँ) जहाँ उस दुर्घटना की जांच के बाद व्यावसायिक संक्षमता पर सवाल खड़ा किया गया हो या लापरवाही साक्षित हुई हो;

(घ) जहाँ सागरी दुर्घटना पर गठित किये गये औपचारिक जांच न्यायालय ने दुर्घटना के लिए पायलट को जिम्मेदार ठहराया हो;

(च) यदि सेवा समाप्ति के बाद उपरोक्त (2) की आवश्यकतानुसार लाइसेंस लौटाया न हो;

(छ) पायलटेज कार्य के लिए स्वस्थता की दृष्टि से अयोग्य पाया गया हो;

(4) पायलटेज सेवा में, उप संरक्षक के पद तक अनुबर्ती पदोन्नतियां मिलने पर भी पायलट अपना लाइसेंस बनाए रखेगा और आवश्यकतानुसार जहाजों का पथ प्रदर्शन जारी रखेगा।

5. पायलट सेवाओं में य्रवेश के लिए शर्तें.—जब तक कोई व्यक्ति अध्यक्ष जी को संतोष नहीं दिलाता कि वह निम्न शर्तें पूरी करता है, तब तक उसे पायलट के रूप में नियुक्त नहीं किया जाएगा :

(क) मंडल के अधीन पर्याप्त योग्यता की शर्तें जो इससे संबंधित विनियम में निर्धारित की गई हैं;

(ख) जब तक अध्यक्ष द्वारा शर्त अन्यथा शिथिल नहीं की जाती; तब तक परिवीक्षाधीन पायलट के रूप में नियुक्त होने की तिथि पर उसकी आयु 25 से कम एवं 35 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए, और

(ग) उसके पास विनियम 3 में विनिर्दिष्ट योग्यताएँ होनी चाहिए।

भाग-III

प्रशिक्षण और परीक्षा

6. प्रशिक्षण.—(1) प्रशिक्षण की अवधि के दौरान प्रिवीक्षाधीन पायलट को पायलट का कार्य, बंदरगाह के लाईट, सीमा चिन्ह (लैंडमार्क), बोएज तथा बंदरगाह के पायलटेज बॉटर में जहाजों का परिचलन, बंदरगाह में जहाजों का लंगर डालना/निकालना, पोर्ट ट्रस्ट के निजी निकर्षण पोतों का परिचलन और उनके निकर्षण उपकरणों का प्रचालन आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी।

(2) प्रशिक्षण पूरा होने पर, उप संरक्षक की अनुमति प्राप्त हो, तो परिवीक्षाधीन पायलट जहाज चलाने के लिए अपनी योग्यता की परीक्षा देने का आवेदन कर सकता है।

7. परीक्षा के विषय.— परीक्षा में निम्न विषय सम्मिलित होंगे:—

- बंदरगाह में नैसंचालन तथा गोदियों एवं पोताओं के प्रवेश मार्गों के लिए तैयार किये गये विनियम और नियम;
- किसी दो स्थानों के बीच मार्ग और अंतर;
- लाहरों का ज्वार भाटा;
- लंगरगाह, पर्थर, उथलापानी एवं अन्य खतरे, बंदरगाह में सीमाचिन्ह, बोयाज, संकेतक और लाइट्स;
- जहाजों एवं स्टीमरों का व्यवस्थापन, उन्हें लंगर डालने के लिए लाना तथा ज्वार भाटा में उन्हें लंगरों से मुक्त रखना;
- लंगर डालना, डाला और मार्गस्थ होना;
- सभी स्थितियों में जहाज संभालना और
- परीक्षा समिति द्वारा निश्चित किये जाने वाले ऐसे अन्य विषय।

8. परीक्षा समिति.—निम्न प्रकार गठित की यई परीक्षा समिति परिवीक्षाधीन पायलटों की परीक्षा का अध्यक्षन करेगी:—

1. उपसंरक्षक — अध्यक्ष
2. हावर्ड मास्टर — सदस्य
3. डॉक मास्टर — सदस्य
4. मास्टर-पायलट — सदस्य

5. जहाज (विदेश जाने वाले) का स्पॉर्ट्स मास्टर-मरीनगर — सदस्य

9. परीक्षा उत्तीर्ण करने वें असमर्पित, उसकी नियुक्ति से बाहर महीनों के अंदर यदि परिवीक्षाधीन पायलट विनिर्दिष्ट परीक्षा उत्तीर्ण नहीं हुआ, तो उसे निकाल दिया जा सकता है।

10. लाइसेंस जारी करना.—1. उक्त परीक्षा सफलतापूर्वक चूर्ण करने के बाद पायलट को उपरोक्त 4 के अधीन पायलट लाइसेंस प्रदान किया जाएगा।

2. पायलट लाइसेंस की फीस और यदि वह खो गया तो उसके नवीकरण की फीस मंडल द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाएगी।

11. पायलटों का बगीकरण.—1. लाइसेंस द्विए जाने के बाद पायलट को निम्न प्रकार से जहाज चलाने की अनुमति दी जाएगी :

(क) प्रथम छ: महीनों के दौरान, जहाज को बाट पर लगाने से संबंधित सेवाओं से संलग्न तथा इदिया और प्रिन्सेस एवं विकटोरिया गोदियों के बैद्यताहों में बाट पर लगाने/बाट से हटाने संबंधित प्रचालन करना।

(ख) अगले छ: महीनों के दौरान, अधिक से अधिक 10,000 टन्स ग्रॉस टनेज और अधिक से अधिक 25 कूट गहराई (हाफ्ट) के जहाज [टैकर एवं युद्ध पोत (मैन-ऑफ वॉर) छोड़कर];

(ग) अगले छ: महीनों के दौरान, अधिक से अधिक 12,000 टन्स ग्रॉस टनेज के जहाज [भी हुए पेट्रोलियम टैकर एवं युद्ध पोत (मैन-ऑफ वॉर) छोड़कर];

(घ) अगले छ: महीनों में अधिक से अधिक 16,000 टन्स ग्रॉस टनेज के जहाज (भी पाठे एवं जवाहर द्वीप जाने वाले टैकर छोड़कर। पर जवाहर द्वीप तथा भीर-यात्र से आने वाले अधिक से अधिक 25 कूट गहराई वाले टैकर सम्मिलितकर);

(च) अगले छ: महीनों में अधिक से अधिक 16,000 टन्स ग्रॉस टनेज के जहाज (भी पाठे एवं जवाहर द्वीप जाने वाले तथा वहाँ से निकलने वाले अधिक से अधिक 25 कूट गहराई वाले टैकर छोड़कर);

(छ) अगले छ: महीनों में अधिक से अधिक 20,000 टन्स ग्रॉस टनेज के जहाज (भी पाठे एवं जवाहर द्वीप को जाने वाले तथा वहाँ से निकलने वाले 30 कूट से अधिक गहराई वाले टैकर छोड़कर);

(ज) अगले छ: महीनों में अधिक से अधिक 20,000 टन्स ग्रॉस टनेज के जहाज (भी पाठे एवं जवाहर द्वीप को जाने वाले तथा वहाँ से निकलने वाले 35 कूट से अधिक गहराई वाले टैकर छोड़कर);

(झ) अगले छ: महीनों में अधिक से अधिक 60,000 टन्स ग्रॉस टनेज के जहाज;

(झ) इसके बाद बिना किंसी निर्बन्धनों के टनधार के जहाज

2. एक वर्ष से दूसरे उच्च वर्ग में पायलट का स्पॉर्ट्स मास्टर उप-संरक्षक के अनुमोदन से होगा।

3. किसी अन्य पत्तन में पायलटेज का अनुभव होने वाले पायलट ने आगे यहां कार्यारंभ किया हो, तो उप-संरक्षक के विवेकाधिकार के अनुसार उसे अधिक टनेज का जहाज सौंपा जा सकता है।

भाग-IV

शोअर स्टेशन-मॉनिटरिंग और नियंत्रण

12. पायलट लॉच/जहाज की पहचान सहित पत्तन के प्रवेश स्थल पर पायलट का जहाज पर चढ़ना/से उत्तरना.—(i) पायलट लॉच से, प्रांग सीक बोया के पूर्वी स्थल पर या डॉक मास्टर नियंत्रण स्थानक द्वारा निर्देशित किसी अन्य उचित और सुरक्षित स्थान पर पायलट अंदर आने वाले जहाजों पर सवार होगा और आहर जाने वाले जहाजों पर से उतरेगा।

(ii) पायलट लॉच पर "पायलट" शब्द उसके मध्य में दोनों तरफ सिखा होगा।

(iii) पूरे दिन के दौरान, पायलट लॉच अंतरराष्ट्रीय विनियमों के अनुसार दिन/रात के सिग्नल्स प्रदर्शित करेगा।

13. डॉक मास्टर्स का शोअर स्टेशन पर कार्य—डॉक मास्टर्स, उप-संरक्षक द्वारा समय-समय पर दिए गए आदेश के अनुसार तय अवधि के लिए, बारी बारी से विभिन्न शोअर स्टेशनों पर अपना कार्य करेंगे। नियंत्रण स्थानक पर तैनात डॉक मास्टर, व्हीटीएस स्टेशन के नियंत्रण सहित, उप-संरक्षक द्वारा दी गई सूचनाओं के अनुसार काम करेगा।

14. पायलट स्टेशन और शोअर स्टेशन—नियंत्रण स्थानक स्थित डॉक मास्टर, मास्टर पायलटों/पायलटों का जहाज पर चढ़ना/से उत्तरना मॉनिटर करेगा और उन पर नियंत्रण रखेगा।

15. पायलटों का प्रचालनीय नियंत्रण—पोर्ट के अंदर किसी भी लंगराह, घाट, गोदी पर, जहाज पोर्ट में आते समय या जाते समय, लंगर डालने या निकालने के समय, घाट लगाते समय या घाट से हटाते समय मास्टर पायलट और जहाजों के पायलटेज प्रभारी पायलट हार्बर मास्टर और हार्बर मास्टर की ओर से डॉक मास्टर्स के नियंत्रणाधीन होंगे।

16. "अंदर आने वाले जहाजों पर चढ़ना" आदि—"डॉक मास्टर नियंत्रण स्थान यह मुनिश्चित करेगा कि मास्टर पायलट एवं पायलट अपनी बारी पर अंदर की ओर आने वाले जहाजों पर पायलटों की आवश्यकतानुसार विधिवत सवार होते हैं तथा, यह भी सुनिश्चित करेगा कि, बाहर जाने वाले जहाजों से मास्टर पायलट/पायलट उतारे जाते हैं"।

17. कुछ विशेष परिस्थितियों में पायलटों को अधिक दूर भार वाले जहाजों का कार्यभार संभालने के निदेश देने का अधिकार—जो पायलट जितने टनेज का जहाज चलाने के लिए योग्य ठहराया गया है, उससे अधिक टनेज का जहाज चलाने के लिए यदि आवश्यक हो, तो डॉक मास्टर नियंत्रण स्टेशन पायलट को निदेश दे सकता है। इस तरह के हर मामले में अपनी दृष्टि से ऐसी कार्यवाही के लिए बाध्य करने वाले कारण बताते हुए डॉक मास्टर नियंत्रण स्टेशन, उप-संरक्षक को या उप-संरक्षक द्वारा नामित किसी अन्य अधिकारी को तुरंत एक लिखित रिपोर्ट भेजेगा।

18. पायलटों की जहाज पर उपस्थिति के विविधम्—नियंत्रण स्थानक पर कार्यरत डॉक मास्टर, सेवाओं की आवश्यकता के अनुसार पायलटों को जहाज पर तैनात करेगा। इस काम में ऐसी तैनाती के लिये उप-संरक्षक द्वारा दिए गए आदेश भागदर्शक रहेंगे।

भाग-V

पायलट का कार्य

19. पायलट प्राधिकारी के आदेशों का पालन करे—सभी पायलट एवं मास्टर पायलट, जहाजों को गोदी में लाना, गोदी से निकालना, खींचना, उनका परिवहन, जहाजों को घाट लगाना, घाट से निकालना, उन्हें हटाना इन कामों से संबंधित तथा पोर्ट ट्रस्ट की मालिकी के स्वामन निकर्षकों के कार्य तथा सम्हलाई के संबंध में उप-संरक्षक या उनके द्वारा नामित अधिकारी के दिये गए सभी आदेशों का पालन एवं कार्यव्यवहार करेंगे।

20. पायलट का आचरण—पायलट हर बक्त सख्त संघर्ष रखेगा। जब तक वह जहाज का कार्यभारी है, तब तक वह उस जहाज की तथा अन्य जहाजों की एवं जहाजों पर होने वाली संपत्ति की सुरक्षा के लिए सचेत रहेगा, अत्याधिक सावधानी बरतेगा। जब आवश्यकता हो, वह सार्कार्डिंग (गहराई) मॉनिटर करेगा ताकि नौतल के नीचे हर बक्त पर्याप्त पानी है यह देखते हुए नौतल की निर्बाधता की सुनिश्चित हो। जहाज मालिक अथवा प्रभारी अधिकारी के लिखित आदेश के बाहर पायलट जहाज को कभी भी जमीन से लगने नहीं देगा।

21. पायलट उनके द्वारा दी गयी सेवाओं का प्रमाण-पत्र प्राप्त करेंगे—जहाज पर चढ़ने के बाद पायलट पायलटेज कागजातों पर मास्टर के हस्ताक्षर लेगा (समुद्री संबद्ध प्रभार लगाने हेतु, जहाज के आगमन/प्रस्थान संबंधी जानकारी)

22. पायलट सही/ठीक समय पर जहाज पर चढ़ेंगे—बाहर जाने वाले अथवा अपने खड़े होने के घाट से हटाये जाने वाले जहाज का कार्यभार ग्रहण करने वाला पायलट नियत समय पर अर्थात् जहाज को समुद्र में या उसके गंतव्य स्थान पर ले जाने के लिए पर्याप्त समय रखते हुए जहाज पर जाकर प्रमुख अधिकारी को रिपोर्ट करेगा।

23. पायलट यह देखे कि जहाज और उसके उपकरण अच्छी स्थिति में हैं—पायलट जहाज का प्रभार लेने के पहले, जहाज के मास्टर से यह पता लगायेगा कि, क्या जहाज की मुख्य इंजन, स्टीअरिंग प्रणाली और अन्य नौसंचालनीय उपकरण अच्छी स्थिति में काम कर रहे हैं।

24. पायलट जहाज के प्रचालनों से खुद को बाकिफ कराए—सभी पायलट जहाज पर चढ़ने से पहले जहाज के बंदरगाह में प्रचालनों के एवं उस पर चढ़े होके पायलट से बाकिफ हो लें।

25. पायलट के प्रस्थान कार्यों का प्रारंभ—बाहर जाने वाले जहाजों के संबंध में पालयट के कर्तव्यों का प्रारंभ होगा—

(i) इंदिरा गोदी एवं प्रिन्सेस एवं व्हिक्टोरिया गोदी में जहाज के लॉक अथवा गोदी प्रवेश द्वारों को पार कर जाने और डॉक मास्टर द्वारा "सब ठीक" का संकेत दिये जाने पर

(ii) बैलार्ड पियर, हार्बर बॉल बर्थ, पीर पाऊ जेटी एवं बूचर द्वीप में जहाज अन्मूरिंग के लिए रवाना होने पर

(iii) हार्बर में—जहाज चढ़ने पर

26. पायलट के प्रस्थान कार्यों की समाप्ति:- (i) बाहर जाने वाले जहाजों के संबंध में पायलट के कार्य जहाज को स्वार होने/उतरने के स्थान तक ले आने के बाद पूरे होंगे।

(ii) जहाज छोड़ने से पहले पायलट जहाज की स्थिति देख ले और पायलटेज पेपर पर उसकी प्रविष्टियाँ करे।

27. पायलट के आगमन कार्यों का प्रारंभ—अंदर आने वाले जहाज के संबंध में पायलट का कार्य तब से प्रारंभ होगा, जब वह अनिवार्य पायलटेज जलसेव (कंपन्सरी पायलटेज बॉर्ट्स) की सीमाओं के अंदर खड़े किसी भी स्थान पर जहाज पर प्रवेश करेगा।

28. पायलट के आगमन कार्यों की समाप्ति—अंदर आने वाले जहाजों के संबंध में पायलट के कर्तव्य पूरे होंगे—

(i) इंदिरा, प्रिन्सेस और विकटोरिया गोदियों में—लॉक या गोदी प्रवेश मार्ग में जहाज के सुरक्षित प्रवेश करने पर;

(ii) बैलाई पियर, हार्बर बाल बर्थ, पियर पाक जेटी और बूचर द्वीप में—जहाज अपने घाट पर सुरक्षित रूप में बंध जाने पर;

(iii) हार्बर में जहाज के अपने घाट में सुरक्षित रूप में लंगर डालने या बंध जाने पर।

29. जहाजों का स्थान बदलना—निम्न राते पूरी किये बिना कोई भी पायलट पोर्ट में जहाज को एक स्थान से दूसरे स्थान पर नहीं ले जाएगा या ले जाने के निदेश नहीं देगा—

(i) यदि जहाज रवाना हो रहा है, तो मास्टर जहाज पर होगा।

(ii) यदि जहाज की मूवमेन्ट पूर्ण होने से पहले मास्टर जहाज छोड़कर जाए, तो पायलट ऐसे किसी सुरक्षित स्थान पर जहाज का लंगर डालने के निदेश देगा, जहाँ पहुंचना जहाज के लिए सबसे आसान हो। मास्टर के जहाज पर लौटने तक वह जहाज आगे बढ़ाने के निदेश नहीं देगा।

(iii) संपूर्ण मूविंग के दौरान जहाज पर होने वाले एवं कार्यों के लिए उपलब्ध अधिकारियों तथा अन्य कर्मचारियों की संख्या किसी भी आवश्यक कार्य के लिए पर्याप्त होगी। यदि जहाज पर चढ़ने के बाद पायलट के भतानुसार संख्या पर्याप्त नहीं होगी, तो वह पोर्ट नियमों की ओर मास्टर का ध्यान आकर्षित करेगा तथा मास्टर ने संपूर्ण जिम्मेदारी सेते हुए घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किये बिना मूविंग जारी रखना स्वीकार नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण : यदि “मास्टर” कार्यालय में अपना कार्य करने में असमर्थ होगा, तो उसका कार्य संभालने के लिए प्राधिकृत “प्रधम” या अन्य कोई अधिकारी भी इस नियम के “मास्टर” के अर्थ में निहित है।

30. जहाज से उतरने पर पायलट रिपोर्ट करें—जहाज अंदर लाने और तथा प्रवाह में उसे चलाने के बाद अथवा पायलट जहाज से लौटने पर पायलट बिना विलंब उप संक्षक द्वारा निर्धारित अधिकारी के पास अगली ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करेगा।

31. जब भी सिग्नल प्रतिकूल हो, पायलट जहाज को गोदी में लाए।

शोअर-स्टेशन ने, ऐसा करने को निर्बाधता दर्शाने तक पायलट; जहाज को गोदी बर्थ के पास नहीं लाएगा।

32. पायलट जब भी काम पर हो, अपने साथ अपना लाइसेंस आदि रखे—पायलट काम पर होते समय, हमेशा अपने पायलट पोर्ट का टाइड-टेबल पोर्ट नियमों की प्रति, गोदी उप-चिकित्सा, उस समय प्रचलित पायलटेज विनियम और अपना लाइसेंस रखेगा।

33. लाइसेंस खो जाना—यदि लाइसेंस खो जाता है, तो वह किन परिस्थितियों में खो गया, यह स्पष्ट करते हुए पायलट उप संरक्षक को इसकी सूचना देगा। अगर उप संरक्षक को इस बात से समाधान ही जाए कि पायलट की किसी गलती या लापरवाही से लाइसेंस नहीं खो गया है, तो वह पायलट को दूसरा लाइसेंस दिलाने की व्यवस्था करेगा।

34. पायलट नौसंचालन विहारों आदि में मध्य गते परिवर्तनों की जानकारी देंगे—चैनेल की गहराई में कोई परिवर्तन प्राप्त या अथवा यह देखा गया कि बोया, संकेतोदीप या दीप जलकर दूर चलाया गया, टूट गया, क्षतिग्रस्त हुआ अथवा अपने स्थान से हट गया है, तो या नौसंचालन की सुरक्षा पर असर करने वाली अन्य कोई परिवर्तन, देखी गयी; तो पायलट उसकी विस्तृत लिखित रिपोर्ट उप संरक्षक को भेजेगा।

35. पायलट द्वारा दुर्घटना की रिपोर्ट देना—(i) जहाज का कार्यभार संभालते हुए जहाज के साथ अथवा जहाज के कारण जब भी कोई दुर्घटना हो जाए तो पायलट इसी प्रकार के रिपोर्ट के लिए निर्धारित प्रपत्र में तथ्यों की एक लिखित रिपोर्ट जल्द से जल्द उप संरक्षक को प्रद्वाल करेगा।

(ii) यदि जहाज के कारण पोर्ट की संपत्ति को कोई नुकसान पहुंचा तो भारतीय पतन अधिनियम, 1908 के अनुसार एवं महाप्रत्यक्ष न्यास अधिनियम, 1963 के तहत पतन की तरफ से पायलट जहाज के मास्टर को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए एक पत्र लिखेगा और उसकी अभिस्कीकृति भी लेगा।

36. पायलट द्वारा संगरोधन और सुरक्षा संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना—अंदर आने वाले जहाज पर चढ़ने के बाद पायलट, मास्टर से स्वास्थ्य का अंतराल्डीय घोषणापत्र प्राप्त करेगा और अगर घोषणापत्र में दिए गए सभी प्रश्नों के उत्तर नकारात्मक हों तो संगरोध-मुक्त घोषित करेगा। अंगर किसी प्रश्न का उत्तर सकारात्मक आता हो या पायलट को कोई शक हो तो वह तुरंत नियंत्रण स्थानक पर स्थित डॉक मास्टर को सूचित करेगा, जो यह जानकारी पतन स्वास्थ्य अधिकारी को बेजेंगे तब तक पायलट उचित अंकरेज में जहाज का लंगर डालेगा और पतन स्वास्थ्य अधिकारी की सूचनाओं की प्रतीक्षा करेगा।

जहाज पर चढ़ने के बाद पायलट, नियंत्रण स्थानक पर स्थित डॉक मास्टर से या आईएसपीएस के अनुपालन के बारे में जावित अधिकारी से संपर्क करेगा।

भाग-VI

प्रशासनिक गतिविधियाँ

37. नियंत्रण स्थानक पर लौग बुक रखना—नियंत्रण स्थानक का डॉक मास्टर अपने पास एक लौग बुक रखेगा, जिसमें उप संरक्षक

द्वारा विनिर्दिष्ट बातों का ब्यौरा होगा। नियंत्रण स्थानक का प्रभारी अधिकारी उप संरक्षक के आदेश के अनुसार लॉग बुक निरीक्षक के लिए उप संरक्षक को उसने निर्देशित किये अंतराल के बाद अग्रेसित करेगा।

38. वरिष्ठ पायलट कनिष्ठ पायलटों एवं परिवीक्षा पर होने वाले पायलटों को सूचनाएँ देंगा।—वरिष्ठ पायलट कनिष्ठ एवं परिवीक्षा पर होने वाले पायलटों को पायलट के कार्य के सभी पहलुओं के बारे में सूचनाएँ देंगा, और सहायता करेगा।

39. पायलटों ने गवाही देना,—जब तक पायलट के नाम समन्वय नहीं है, तब तक वह उप संरक्षक की पूर्व-समंति के बिना ऐसे किसी भी मुकदमे अथवा प्रृथकाल में गवाही नहीं देगा, जिसमें वह स्वयं पार्टी ने हो। गवाही देने के लिए समन्वय दिये जाने पर पायलट उप संरक्षक को तुरंत उसकी लिखित सूचना देंगा।

40. पायलट द्वारा तख्तों (चार्टर्स) का निरीक्षण,—पोर्ट और पोर्ट संबंधी अन्य जानकारी के अद्यतन रेखांकन एवं तख्तों के निरीक्षण के लिए सभी पायलट नियमित रूप से उप संरक्षक या हार्बर मास्टर के कार्यालय में जाते रहेंगे।

41. बद्दी,—पायलटेज मेंब्रा से संबंधित सभी अधिकारी काम पर होते समय पोर्ट द्वारा निर्धारित बद्दी पहनेंगे।

भाग-VII

सामान्य

42. अर्थ निर्णय (इंटरप्रिटेशन)—विनियमों के अर्थ के संबंध में कोई प्रश्न उपस्थित हो, तो उसे अध्यक्ष जी को निर्णयार्थ प्रस्तुत किया जाएगा।

बशर्ते कि कोई भी पायलट अध्यक्ष के आदेश की प्राप्ति के साठ दिनों को अंदर मंडल को प्रतिवेदन करे तथा मंडल तदनुसार उसे जैसा उचित रूप वैसे आदेश दें।

43. रद्द करना और बनाए रखना,—इस विनियमों के लागू होने पर मुंबई पोर्ट (पायलटों के लाइसेंसिंग और नियंत्रण) विनियम, 1975 रद्द माने जाएंगे बशर्ते कि—

- (क) इस प्रकार का निरसन (repeal) उक्त विनियमों या आदेशों या पद्धतियों या उनके अधीनस्थ की गई कार्रवाईयों या गतिविधियों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (ख) इन विनियमों के प्रचलित होते समय; उक्त विनियमों के तहत लंबित कार्यावाही जहां तक व्यवहार्य हो; इन विनियमों के अंतर्गत चलाई और निपटायी जाएंगी।

[सं. पी आर-16014/1/2004-पी जी (I)]

ए. के. भल्ला, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT
AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st March, 2007

G.S.R. 116(E).—In exercise of the powers conferred by Section 124 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the

Mumbai Port Trust (Licensing and Control of Pilots) Regulations, 2007 detailed in the Schedule Annexed to this notification made by the Board of Trustees of Mumbai Port Trust, in exercise of the powers conferred on them by Section 28 of the said Act and in supersession of the Regulations contained in the "Mumbai Port (Licensing and Control of Pilots) Regulations, 1975".

SCHEDULE

Mumbai Port Trust (Licensing and Control of Pilots) Regulations, 2007

In exercise of the powers conferred by the proviso to Sub-section (1) of Section 124, read with Section 28, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), and in supersession of Mumbai Port (Licensing and Control of Pilots) Regulations, 1975, the Board of Trustees of the Port of Mumbai, with the approval of the Central Government, under Sub-section (1) of Section 124 of the said Act, hereby makes the following Regulations:

PART - I

1. **Short title and commencement.**—(1) These Regulations may be called the Mumbai Port Trust (Licensing and Control of Pilots) Regulations, 2007.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Definitions**—In these regulations, unless the context otherwise requires—

- (1) "Board", "Chairman" and "Deputy Chairman" shall have the same meaning as in the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963).
- (2) "Control Station" means the station through which boarding and disembarkation of Pilots and other activities are monitored and controlled.
- (3) "Deputy Conservator" means the officer in whom the direction and management of pilotage are vested.
- (4) "Dock Master" means an officer appointed to perform such duties, in connection with movements of ships in the port as may, from time to time, be assigned to him by the Deputy Conservator and includes the Senior Dock Master.
- (5) "Harbour Master" means the officer appointed to perform such duties as may from time to time be assigned to him by the Deputy Conservator.
- (6) "Limits of compulsory pilotage waters" means the limits defined under Sub-section (2) of Section 4 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908).
- (7) "Pilot" means an officer licensed under these regulations to perform pilotage and other duties as may be assigned to him by the Deputy Conservator and includes 'Master Pilots'.

(8) "Pilot Licence" means licence issued to a person to carry out pilotage of vessels within the port limits of the Port.

(9) "Port" means the Port of Mumbai.

PART-II

Licensing - Qualifications and Conditions

3. Qualifications of candidates—

(1) A candidate for a Pilot Licence shall—

- be an Indian national;
- produce certificates of good character and sobriety;
- be in possession of a—
 - Certificate of Competency as Master (Foreign Going) granted by the Government of India or its equivalent and have preferably experience of six months as First Mate on a foreign-going ship; OR
 - certificate as Dredge Master issued by the Directorate General of Shipping and have preferably experience of two years as a Dredge Master; OR
 - have successfully completed training as Pilot under the In-house Training of Pilots at the Port, as may be decided by the Board from time to time in consultation with the Director General of Shipping;
- obtain a certificate of physical fitness from such medical authority as may be prescribed by the Chairman for the purpose; and
- unless the Chairman otherwise determines, serve a period of probationary training of not less than six months and successfully pass the prescribed examination.

Provided that the period of probationary training may be extended beyond six months for sufficient and valid reasons such as—

- candidate is unable to complete required phases of training due to his own illness, or has to proceed on leave for sufficient and valid reasons or due to any national emergencies, etc.;
- in the interest of the Port or Government of India, the candidate is required to be allotted some other duties (with prior agreement) such as Dredging Master, Berthing Master, etc., and is thus unable to complete his training requirement;
- candidate for valid reasons is unable to pass his examination during the stipulated period

of twelve months and in the view of Chairman, needs to be given a fair chance to pass the examination;

- in case of candidates belonging to SC/ST, special extra training or guidance is deemed necessary :

Provided further that the period of probationary training may be curtailed under the following circumstances:

- if the candidate has been a Pilot in the said Port Trust and has rejoined subsequently;
- if in future modern technology such as a simulator is used for training.

4. Pilot Licence—(1) Every Pilot (and Master Pilot) shall hold Pilot Licence to perform the duties of a Pilot at the particular port. This licence shall be issued on the sanction of the Central Government and under the signature of the Deputy Conservator.

(2) A Pilot severing his connection with the Port shall forthwith surrender his Pilot Licence to the Deputy Conservator.

(3) The Pilot Licence may be revoked by the Chairman in circumstances such as :

- proven misconduct and/or misconduct under the conduct and discipline rules;
- professional misconduct;
- shipping casualties (accidents) where professional competence is questioned or negligence proved after enquiry into the accident;
- where formal court of enquiry instituted into marine casualty holds the Pilot responsible for an accident;
- on cessation from service if the licence is not surrendered as required under (2) above;
- on being medically found unsuitable for pilotage jobs.

(4) A Pilot shall retain licence on subsequent promotions in the Pilotage service upto the post of Deputy Conservator and continue to pilot vessels as per the requirement.

5. Conditions for joining the Pilot service in Port—A person shall not be appointed as a Pilot unless and until he satisfies the Chairman that he fulfils the following conditions, namely :—

- the conditions of eligibility for direct recruitment to posts under the Board as may be laid down by regulations in this behalf;
- on the date of appointment as a probationary pilot, is of an age not below 25 years and not above 35 years, unless otherwise relaxed by the Chairman; and
- possesses the qualifications specified in Regulation 3.

PART-III**TRAINING AND EXAMINATION**

6. Training—(1) During the period of training, probationary pilot will be instructed in the duties of a pilot, the lights, landmarks, buoyage, etc. of the harbour, the handling of ships within the pilotage waters of the port, berthing or unberthing of vessels within the dock basins, handling the port trust owned suction Dredger and operating her dredging equipments, etc.

(2) On completion of the training, the probationary pilot may, subject to the approval of the Deputy Conservator, apply to be examined as to his qualifications to pilot ships.

7. Subjects of Examination—The examination shall include the following subjects, namely:—

- regulations and rules framed for navigating in the harbour and approaches to the docks and piers;
- course and distance between any two places;
- rise and set of tides;
- anchorages, rocks, shoals and other dangers, landmarks, buoys, beacons and lights within the Port;
- management of ships and steamers, how to bring them to anchor and to keep them clear of their anchors in a tideway;
- to moor and unmoor and to get underway;
- to handle a vessel under all conditions; and
- such other subjects as may be determined by the Examination Committee.

8. Examination Committee—The examination of the Probationary Pilot shall be conducted by an Examination Committee composed as follows:

- (1) the Deputy Conservator- Chairman
- (2) the Harbour Master - Member
- (3) a Dock Master - Member
- (4) a Master Pilot - Member
- (5) an Independent (Foreign-Going) Master Mariner - Member

9. Failure to pass examination.—In the event of a probationary pilot failing to pass the specified examination within twelve months of his appointment, he will be liable to be discharged.

10. Issue of Licence.— (1) On successful completion of the examination, the Pilot shall be issued the Pilot Licence under 4 above.

(2) The fee for a Pilot's Licence, and for renewal thereof in case of loss, shall be prescribed by the Board from time to time.

11. Classification of Pilots—(1) A pilot on being licensed will be permitted to pilot vessels as follows:—

- (a) during the first six months, attached to the

berthing service and perform berthing or unberthing manouvers within the dock basins of Indira and Princess and Victoria docks.

- (b) during the next six months, vessels not exceeding 10,000 tons gross tonnage and not exceeding 25 feet draft (excluding tankers and men-of-war).
- (c) during the next six months, vessels not exceeding 12,000 tons gross tonnage (excluding loaded petroleum tankers and men-of-war).
- (d) during the next six months, vessels not exceeding 16,000 tons gross tonnage (excluding tankers proceeding to Pir Pau and Jawahar Dweep but including tankers from Jawahar Dweep and Pir Pau not exceeding 25 feet draft).
- (e) during the next six months, vessels not exceeding 16,000 tons gross tonnage (including tankers proceeding to and from Jawahar Dweep and Pir Pau not exceeding 25 feet draft).
- (f) during the next six months, vessels not exceeding 20,000 tons gross tonnage (excluding tankers exceeding 30 feet in draft proceeding to and from Jawahar Dweep and Pir Pau)
- (g) during the next six months, vessels not exceeding 20,000 tons gross tonnage (excluding tankers exceeding 35 feet draft proceeding to and from Jawahar Dweep and Pir Pau)
- (h) during the next six months, vessels not exceeding 60,000 tons gross tonnage.
- (i) thereafter unrestricted tonnage.

(2) The transfer of a pilot from one class to the next higher class will be made with the approval of the Deputy Conservator.

(3) A Pilot who joins with previous pilotage experience at another port may be granted accelerated tonnage at the discretion of the Deputy Conservator.

PART - IV**SHORE STATION - MONITORING AND CONTROL**

12. Pilot boarding or disembarkation at the entry point of the Port including identification of Pilot Launch or Vessel—

- (i) The Pilot shall board incoming vessels from pilot launch and disembark from outgoing vessels by pilot launch at a position due east of the Prongs Reef Buoy position or at any other suitable and safe location as directed by the Dock Master Control Station.
- (ii) The Pilot launch shall have the word "PILOT" amid ships on each side.

(iii) During the day the pilot launch shall exhibit day or night signal as per international regulations.

13. Dock Masters to do duties at Shore Station—The Dock Masters at various shore stations shall perform their duties, in rotation for such periods as may from time to time be ordered by the Deputy Conservator. The Dock Master at the control station shall perform such duties, including control of the Vessel Traffic Service station, as may be specified by the Deputy Conservator.

14. The Pilot Station and Shore Station—The Dock Master at the Control Station shall monitor the boarding and disembarking of Master Pilots or Pilots and exercise control over them.

15. Operational Control of Pilots—The Harbour Master, and Dock Masters on behalf of the Harbour Master, shall have control over Master Pilots and Pilots in pilotage charge of vessels while entering or leaving the port, mooring or unmooring and berthing or un-berthing at any anchorage, berth, dock within the port.

16. Boarding inward bound vessels, etc.—The Dock Master at the Control Station shall ensure that the Master Pilot or Pilot on turn for boarding inwards are duly boarded upon inbound vessels requiring Pilots. Also ensure that Master Pilot or Pilot are disembarked from outbound vessels.

17. Power to direct Pilots to take charge of a vessel of higher tonnage in certain circumstances—The Dock Master at the Control Station may, if necessary, direct a Pilot to perform the pilotage of a vessel which exceeds the tonnage for which he is qualified to pilot. In every such case, the Dock Master at the Control Station shall forthwith send a report in writing to the Deputy Conservator or any other officer nominated by Deputy Conservator stating the reasons which in his opinion necessitated such action.

18. Regulation of attendance of Pilots on vessels—The duty Dock Master on at the control station shall detail pilots to vessels requiring their services. He shall be guided by the Deputy Conservator's orders issued for such allocation.

PART - V

DUTIES OF PILOTS

19. Pilots to obey the orders of the authority—All the Pilots and Master Pilots shall obey and execute all orders by the Deputy Conservator or the officer nominated by him relating to the docking, undocking, towing, transporting, berthing, un-berthing, removing of vessels and/or duties pertaining to the working and handling of the port trust owned suction Dredger.

20. Pilot's behaviour—A Pilot shall at all times exercise strict sobriety. He shall throughout the time he is in charge of a vessel use utmost care and diligence for her safety and the safety of other vessels and property. He shall, when necessary, monitor the soundings to ascertain the underkeel clearance. He shall not lay by the vessel a ground

without a written order from the owner or officer in command.

21. Pilots to obtain certificate of services performed by them—A Pilot shall on boarding the vessel get the pilotage papers signed by the Master (details of arrival or departure of the ships for the purpose of raising marine related charges).

22. Pilot to go on board vessels in good time—A Pilot about to take charge of a vessel which is outward bound, or which is about to be moved from the berth in which she is lying, shall go on board and report himself to the officer in command at the time appointed, i.e., in sufficient time for her to be moved out to sea or to her destination.

23. Pilots to see that vessel and her equipment are in order—A Pilot before the taking charge of a vessel shall enquire of the Master of the vessel whether all the main engines, steering system and other navigational aids are in proper working order.

24. Pilot to acquaint with the movement of vessels—All pilots, prior to boarding the vessel, acquaint themselves with the movement of vessels in the harbour and the pilot on board in each of them.

25. Commencement of Pilot's outward duties—The duties of a pilot in regard to outward bound vessels shall commence:—

(i) in Indira, Princess and Victoria Docks, when the vessel is clear of the lock or dock gates and the "all clear" signal is given by the Dock Master.

(ii) at Ballard Piers, harbour wall berths, Pit Pali jetties and Jawahar Dweep, when the vessel proceeds to unmoor.

(iii) in the harbour, on boarding the vessel.

26. Termination of Pilot's outward duties—(i) The duties of a Pilot in regard to outward bound vessels shall cease when he has piloted the vessel upto the pilot boarding or disembarking point.

(ii) A Pilot shall ascertain the position of the vessel before leaving the vessel and enter them in the pilotage paper.

27. Commencement of Pilot's inward duties—The duties of a Pilot in regard to an inward bound vessel shall commence when he boards the vessel in any position within the limits of compulsory pilotage waters.

28. Termination of Pilot's inward duties—The duties of a Pilot in regard to an inward bound vessel shall cease—

(i) in Indira, Princess and Victoria Docks, when the vessel is safely entered into the lock or dock entrance.

(ii) at Ballard Piers, harbour wall berths, Pit Pali Jetties and Jawahar Dweep, when the vessel is safely moored in her berth.

(iii) in the harbour, when the vessel is safely anchored or moored in her berth.

29. Moving of Vessels.—No Pilot shall move or direct the moving of any vessel within the port from one position to another, unless the following conditions are fulfilled—

- (i) if the vessel is underway, the Master shall be on board;
- (ii) if the Master leaves the vessel before the movement is completed, the Pilot shall direct the vessel to be anchored in such safe position as may be most easily reached by the vessel and shall not give directions to proceed with the moving until the return of the Master to the vessel;
- (iii) throughout the moving, the number of officers and crew on board and available for duty shall be sufficient to perform any duty which may be required, and if the Pilot on boarding considers that the number is not sufficient, he shall call the Master's attention to the Port rules and refuse to proceed with the moving unless the Master first signs a declaration under his own hand expressly assuming entire responsibility.

Explanation - In this regulation, the expression "Master" shall include the first or other officer duly authorised to act for the Master in the event of the latter being incapacitated from performing the duties of his office.

30. Pilots to report on landing.—On landing, after piloting a vessel inward and/or transporting a vessel in the stream, or returning from the Pilot launch or vessel, a Pilot shall report without delay to the officer designated by the Deputy Conservator for further duty.

31. Pilot not to bring vessels into dock when the signal is against him.—A Pilot shall not bring a vessel into dock or alongside a berth unless cleared to do so by the shore station.

32. Pilot when on duty to carry with him his licence, etc.—A Pilot when on duty shall always have with him an official Tide Table for the Port, a copy of the Port Rules, Docks Bye-Laws, Pilotage Regulations for the time being in force and his licence.

33. Loss of licence.—A Pilot losing his licence shall forthwith give notice thereof to the Deputy Conservator, stating the circumstances in which the licence was lost and the Deputy Conservator shall, unless he is satisfied that the loss has been caused by the Pilot's misconduct, arrange for the issue of a duplicate licence to the Pilot.

34. Pilots to give information of any alterations in navigational marks, etc.—A Pilot who has observed any alteration in the depth of the channels, or noticed that any buoys, beacons or light vessels have been driven away, broken down, damaged, or shifted from position, or become aware of any circumstance likely to affect the safety of navigational shall forthwith send a detailed report thereof in writing to the Deputy Conservator.

35. Pilots to report casualties.—(i) A Pilot, whenever any accident has happened to or been caused by a vessel while in his charge, shall as soon as possible report the facts in writing in the form prescribed for the purpose to the Deputy Conservator.

(ii) In case of any damage caused to port property by the vessel, the Pilot on behalf of the Port, shall issue a letter to the Master holding the Master of the vessel responsible for the damage as per Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) and obtain acknowledgement thereof.

36. Pilot to ascertain quarantine and security compliance.—A Pilot, on boarding an inward bound vessel, shall obtain the International Declaration of Health from the Master and if the answer to all questions in the declaration is in negative, grant free pratique. In case the answer to any question is in the affirmative or if the pilot is in doubt, he shall appraise the Dock Master at the Control Station immediately who in turn shall pass the information to the Port Health Officer. In the mean time, the Pilot shall anchor the vessel in suitable anchorage and await the Port Health Officer.

Pilot on boarding the vessel shall co-ordinate with the Dock Master at the Control Station or the officer designated in relation to the International Ship & Port Security compliance.

PART VI

ADMINISTRATIVE PROCEDURES

37. Log book to be kept at Control Station.—The Dock Master at the Control Station shall maintain a log book containing such particulars as may be specified by the Deputy Conservator. The Officer Incharge of the Control Station shall also forward the log book to the Deputy Conservator for inspection at such intervals as may be ordered by him.

38. Senior Pilots to give instructions to Junior Pilots and Probationary Pilots.—The Senior Pilots shall assist and instruct the Junior Pilots and Probationary Pilots in all branches of a Pilot's duty.

39. Pilots giving evidence.—A Pilot shall not attend to give evidence in any trial or enquiry to which he is not a party, unless he is under subpoena, without the prior permission of the Deputy Conservator and a Pilot under subpoena to give evidence shall at once report the fact in writing to the Deputy Conservator.

40. Pilot's examination of charts.—All Pilots will attend frequently at the office of the Deputy Conservator or Harbour Master to examine the latest plans and charts of the port and other information concerning the port.

41. Uniform.—All officers of the pilotage service shall wear uniform when on duty as prescribed by the Port.

PARTVII**GENERAL**

42. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Chairman for decision:—

Provided that any Pilot may within sixty days of the receipt of the order of the Chairman make a representation to the Board and the Board may make such orders thereof as it deems fit.

43. Repeal and Savings.—On commencement of these regulations, Mumbai Port (Licensing and Control of Pilots) Regulations, 1975 stands repealed:

Provided that—(a) such repeal shall not affect the previous operation of the said Regulations or orders or practices or anything done or actions taken thereunder; and

(b) any proceeding under the said Regulations pending at the commencement of these regulations shall be conducted and disposed of, as far as may be feasible, in accordance with these regulations.

[F. No. PR-16014/1/2004-PG (I)]

A. K. BHALLA, Jr. Secy.